अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन

"जैसा मैंने तुमसे प्रेम रखा है"

कुछ वर्षों पूर्व लूई नामक एक मित्र ने अपनी मधुर, मृद्ध-भाषी मां के विषय में करूणामय वर्णन मुझे सुनाया था ।

जब उनकी मृत्यु हुई थी, तो वह अपने बेटों और बेटियों के लिये कोई धन-संपत्ति नहीं बल्कि उदाहरण, बलिदान, आज्ञाकारिता के रूप में एक विरासत छोड़ कर गई थी ।

अंतिम संस्कार और कब्रिस्तान की दुखद प्रक्रिया के पश्चात ने उनके परिवार ने मां द्वारा छोड़े गए मामूली से सामान को छांटना आरंभ किया ।

उन समान के बीच, लूई को एक चिट्ठी और एक चाबी मिली थी । चिट्ठी में लिखा था: "कोने के कमरे में, ड्रैसिंग टेबल के नीचे के ड्रॉर में, एक छोटा संदूक है । इसमें मेरे हृदय का खजाना है । यह चाबी उस संदूक को खोलेगी ।"

सब को आश्चर्य हुआ उनकी मां ने ताला-चाबी लगाकर कौन सा बेशकीमती खजाना रखा था ।

संदूक को ड्रैसिंग टेबल में से निकाला गया और चाबी की सहायता से ध्यान से खोला गया । जब लूई और अन्यों ने संदूक में रखी वस्तुओं की जांच की, तो उन्हें प्रत्येक बच्चे की अलग-अलग फोटो मिली, जिसमें बच्चे का नाम और जन्म-तिथि लिखी हुई थी । फिर लूई ने घर में बना वैलेन्टाइन कार्ड निकाला । बच्चे की टूटी-फूटी लिखावट में, जोकि उसकी अपनी लिखावट थी, उसने अपने 60 वर्ष पहले लिखे शब्दों को पढ़ा: "प्रिय मां, मैं आपसे प्रेम करता हूं ।"

हृदय भर गए, वाणी कोमल और आंखें नम हो गई थी । मां का खजाना उसका अनंत परिवार था । जिसकी मजबूत बुनियाद "मैं आपसे प्रेम करता हूं" पर रखी गई थी ।

आज संसार में, घर से अधिक प्रेम की इस मजबूत बुनियाद की आवश्यकता कहीं नहीं है । और संसार में कहीं भी इस बुनियाद के बेहतर उदाहरण नहीं मिलेंगे सिवाय अंतिम-दिनों के संतों के घरों के जिन्होंने प्रेम को अपने पारिवारिक जीवन का केंद्र बनाया है ।

हम सबों को जो स्वयं को उद्धारकर्ता के शिष्य मानते हैं, वह यह महत्वपूर्ण परिणाम देनेवाला निर्देश देता है :

"मैं तुम्हें एक नई आज्ञा देता हूं, कि एक दूसरे से प्रेम रखो; जैसा मैंने तुम से प्रेम रखा है, वैसा ही तुम भी एक दुसरे से प्रेम रखो ।

"यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो ।" [1]

यदि हम एक दूसरे से प्रेम रखने की आज्ञा का पालन करना चाहते हैं, तो हमें अपने प्रतिदिन की बात-चीत में प्रेम दिखाते हुए एक दूसरे के साथ दया और आदर से व्यवहार करना चाहिए । प्रेम दया के बोल, सहनशील प्रतिक्रिया, निस्वार्थ आचरण, समझने वाले कान, क्षमा करने वाला हृदय प्रदान करता है । अपने

सभी संबंधों में, ये और इस प्रकार के अन्य कार्य हमारे हृदय में प्रेम को प्रदर्शित करते हैं ।

अध्यक्ष गोर्डन बी. हिंकली (1910-2008) ने देखा था: "प्रेम ... इंद्रधनुष के छोर पर स्वर्ण का एक पात्र है । तोभी यह इंद्रधनुष के छोर से बढ़कर है । प्रेम आरंभ पर भी है, और इससे ऐसा सौंदर्य फूटता है जो एक तूफानी दिन को आसमान के आर-पार मेहराब से सजाता है । प्रेम वह सुरक्षा है जिसके लिये बच्चे रोते हैं, युवा लालसा करते हैं, ऐसा गोंद जो विवाह को जोड़े रखता है, और ऐसी चिकनाई जो घरों में विनाशाकारी टकराव को रोकती है; यह वृद्धावस्था की शांति है, मृत्यु के पार चमकती हुई आशा की किरण । बहुत धनवान हैं वे जो अपने परिवार, मित्रों, गिरजे, और पड़ोसियों की संगतियों में इसका आनंद लेते हैं ।" [2]

प्रेम सुसमाचार का अति-महत्वपूर्ण भाग है, मानवता का उत्कृष्ट गुण । प्रेम दुखी परिवारों, पीड़ित संप्रदायों, और बीमार राष्ट्रों के लिये उपचार है । प्रेम एक मुस्कान, एक तरंग, एक विन्रम टिप्पणी, और एक प्रशंसा है । प्रेम बलिदान, सेवा, और निःस्वार्थ भाव है ।

पतियों, अपनी पत्नी से प्रेम रखो । उनके साथ मान-मर्यादा और सराहना के साथ व्यवहार करो । बहनों, अपने पति से प्रेम रखो । उनके साथ आदर और उत्साह के साथ व्यवहार करो ।

माता-पिताओं, अपने बच्चों से प्रेम रखो । उनके लिये प्रार्थना करो, उन्हें सीखाओ, और उन्हें गवाही दो । बच्चों, अपने माता-पिता से प्रेम रखो । उनके प्रति आदर, आभार, और आज्ञाकारिता का प्रदर्शन करो ।

मसीह के शुद्ध प्रेम के बिना, मॉरमन उपदेश देता है, "हम कुछ नहीं हैं ।" [3]मेरी प्रार्थना है कि हम मॉरमन के उपदेश का पालन करें कि "हृदय की पूरी ऊर्जा से पिता से प्रार्थना करो, जिससे कि तुम उसके उस प्रेम से परिपूर्ण हो सको, जिसे उसने उन सभी लोगों को प्रदान किया है जो उसके पुत्र, यीशु मसीह के सच्चे अनुयाई हैं; ताकि तुम परमेश्वर के बेटे बन सको; ताकि जब वह आएगा तब हम उसके समान होंगे ।" [4]

टिप्पणियां

1. यहून्ना 13:34--35 ।
2. Gordon B. Hinckley, "And the Greatest of These Is Love," *Ensign,* मार्च 1984, 3., "And the Greatest of These Is Love," 1984, 3 ।
3. मरोनी 7:46; आयत 44 भी देखें ।
4. मोरोनी 7:48 ।

इस संदेश से शिक्षा

अध्यक्ष मॉनसन हमें मसीह समान प्रेम का प्रदर्शन करने के महत्व को सीखाते हैं, विशेषकर घर में । जिन से आप भेंट करते हैं उन्हें परिवार के रूप में एकत्रित होने और एक दूसरे के प्रति अधिक प्रेम दिखाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिये कहने पर विचार करें आप उन्हें उन तरीकों में से एक को चुनने और परिवार के रूप में इसे पाने की योजना बनाने के लिये उत्साहित सकते हैं । उदाहरण के लिये, परिवार के सदस्य एक दूसरे की प्रत्येक सप्ताह गुप्त रूप से सेवा करने का चुनाव कर सकते हैं । आप बाद में उन्हें विचार करने के लिये कह सकते हैं कि अपने लक्ष्य को पाने का प्रयास करने से कैसे उनके घर में प्रेम की बढ़ोतरी हुई है ।

युवा

शांति के लिये प्रार्थना करना

साराह टी. के द्वारा

मेरे माता-पिता अकसर गिरजे के बाद सभा में जाते थे, और मैं अपने तीन छोटे भाइयों की देख-भाल करती और उनका भोजन बनाने में मदद करती थी--- यद्यपि वे गुस्से में और भूखे होते थे । अकसर जब कभी यदि वे लड़ने लगते, तो मैं तुरंत समस्या का समाधान कर देती थी । लेकिन लड़ाई एक बार शुरू होने के बाद कभी-कभी समाधान करना कठिन हो जाता था क्योंकि मुझे गुस्सा आ जाता था ।

एक दिन, मेरे भाइयों बीच बहुत झगड़ा हुआ । मुझे पता चला कि उनके बीच सुलाह कराने के मेरे प्रयासों से

झगड़ा अधिक बड़ गया था क्योंकि मैं स्वयं गुस्से में थी । इसलिये मैं अपना स्वयं का भोजन खाने बैठ गयी और बोलना बंद कर दिया । अतंत:, मैंने जोर से कहा, "मैं प्रार्थना कर रही हूं । क्या तुम कुछ समय के लिये शांत होगे ?" जब वे चुपचाप बैठ गए, मैंने भोजन के लिये आशीष मांगी । प्रार्थना समाप्त करने से पहले, मैंने कहा, "और कृपया हमें शांति कराने वाले बनने में मदद करें ।"

शुरू में, लगा उन्होंने सुना नहीं और फिर से लड़ने लगे ।

मुझे गुस्सा आया लेकिन जानती थी कि मुझे अधिक प्रेमी और शांत रहने की जरूरत थी क्योंकि मैंने अभी-अभी शांति के लिये प्रार्थना की थी । कुछ क्षण के बाद, मैंने बहुत शांति महसूस की । बिना कुछ कहे मैंने भोजन किया, और अंतत: उन्होंने लड़ाई रोक दी थी । मैंने अनुभव किया था कि जिस शांति को मैंने महसूस किया था वह एक सरल प्रार्थना का जवाब था । मैंने शांति कराने वाले होने के लिये प्रार्थना की थी, और मेरे स्वर्गीय पिता ने मुझे उस वक्त शांत रहने में मदद की जब ऐसा करना कठिन था । मैं जानती हूं कि वह हमें वास्तव में शांति दे सकता है ।

लेखिका ऐरीजोना, संराअ, में रहती है ।

बच्चे

सच्चा खजाना

अध्यक्ष मॉनसन हमें एक मां की कहानी सुनाते हैं जिसके पास खजाने का एक विशेष संदूक था । जब उसके बच्चों ने संदूक खोला, उन्हें अपनी स्वयं की फोटोएं मिली थी । मां का खजाना उसका परिवार था !

वास्तविक खजाना सोना या अभूषण नहीं है---यह वे लोग हैं जिनसे आप प्रेम करते हैं । आप किस से प्रेम करते हो ? एक खजाने के संदूक का चित्र बनाएं जिस के अंदर आपकी फोटो या आपके नाम हैं ।

©2017 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमति : 6/16 अनुवाद अनुमति : 6/16 प्रथम अध्यक्षता संदेश, फरवरी 2017 का अनुवाद । Hindi 97922 294

मसीह का प्रायश्चित परमेश्वर के प्रेम का प्रमाण है

प्रार्थनापूर्वक इस सामग्री का अध्ययन करें और क्या बांटना है के लिये प्रेरणा खोजें ।

विश्वास, परिवार, सहायता

हमारे स्वर्गीय पिता ने अपने एकलौते पुत्र को दे दिया ताकि हम अमरत्व और अनंत जीवन के लिये क्षमता प्राप्त कर सकें, इसे समझने से अपने लिये परमेश्वर के अनंत और समझ से परे प्रेम को महसूस करने में हमें मदद मिलती है ।

"कौन हमें मसीह के प्रेम से अलग करेगा ? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार ?...

"क्योंकि मैं निश्चय जानता हूं, कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएं, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ,

"न उंचाई, न गहराई, और न कोई और सृष्टि, हमें परमेश्वर के प्रेम से, जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है, अलग कर सकेगी" (रोमियों 8:35, 38--39) ।

मसीह के प्रायश्चित के विषय में, बारह प्रेरितों की परिषद के एल्डर डी. टॉड क्रिस्टोफरसन कहते हैं: "गतस्मनी में उद्धारकर्ता के कष्ट और सलीब पर उसकी पीड़ा न्याय की उस मांग को पूरा करते हैं जोकि पाप के कारण हमें भोगने होते । वह उनसे करूणा और क्षमा करता है जो पश्चाताप करते हैं । यीशु मसीह का प्रायश्चित हमें सभी कष्टों से चंगाई देकर और क्षतिपूर्ति करके न्याय के उस ऋण को भी चुकाता है जो हम निर्दोषरूप से सहते हैं । '*क्योंकि वह सब मनुष्य के लिये कष्ट सहता है, हां, हर एक जीवित प्राणी, पुरूष, स्त्री दोनों के लिये, और बच्चों के लिये, जो आदम के परिवार से संबंध रखते हैं (2 नफी 9:21; अलमा 7:11--12 भी देखें) । 1*

मसीह ने "हमें अपनी हथेलियों पर खोदा है" (यशायाह 49:16) । सहायता संस्था की महा अध्यक्षा, लिंडा के. बर्टन, कहती हैं, "प्रेम के सर्वोच्च आचरण को हम में से प्रत्येक को हमारे स्वर्गीय पिता का धन्यवाद करने के लिये घुटने के बल विन्रम प्रार्थना में भेजना चाहिए क्योंकि उसने हम से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपने एकलौत और परिपूर्ण पुत्र को हमारे पापों, हमारे हृदयों की पीड़ा, और जो कुछ हमारे व्यक्तिगत जीवनों में अन्यायपूर्ण लगता है सहने भेजा था ।

अतिरिक्त धर्मशास्त्र और सूचना

यहून्ना 3:16; 2 नफी 2:6--7, 9; reliefsociety.lds.org

टिप्पणियां

1. D. Todd Christofferson, “Redemption,” Liahona, मई 2013, 110 ।
2. Linda K. Burton, “Is Faith in the Atonement of Jesus Christ Written in Our Hearts?” Liahona, नवं. 2012, 114 ।

इस पर विचार करें

हम किस प्रकार परमेश्वर और यीशु मसीह को हमारे उद्धारकर्ता के प्रायश्चित उपहार के प्रति हमारा आभार और प्रेम व्यक्त कर सकते हैं ।

©2017 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपा अंग्रेजी अनुमति : 6/16 अनुवाद अनुमति : 6/16 भेंट करने वाला शिक्षा संदेश, फरवरी 2017 का अनुवाद । Hindi 97922 294